चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 28 जुलाई 2026, अंक –322.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

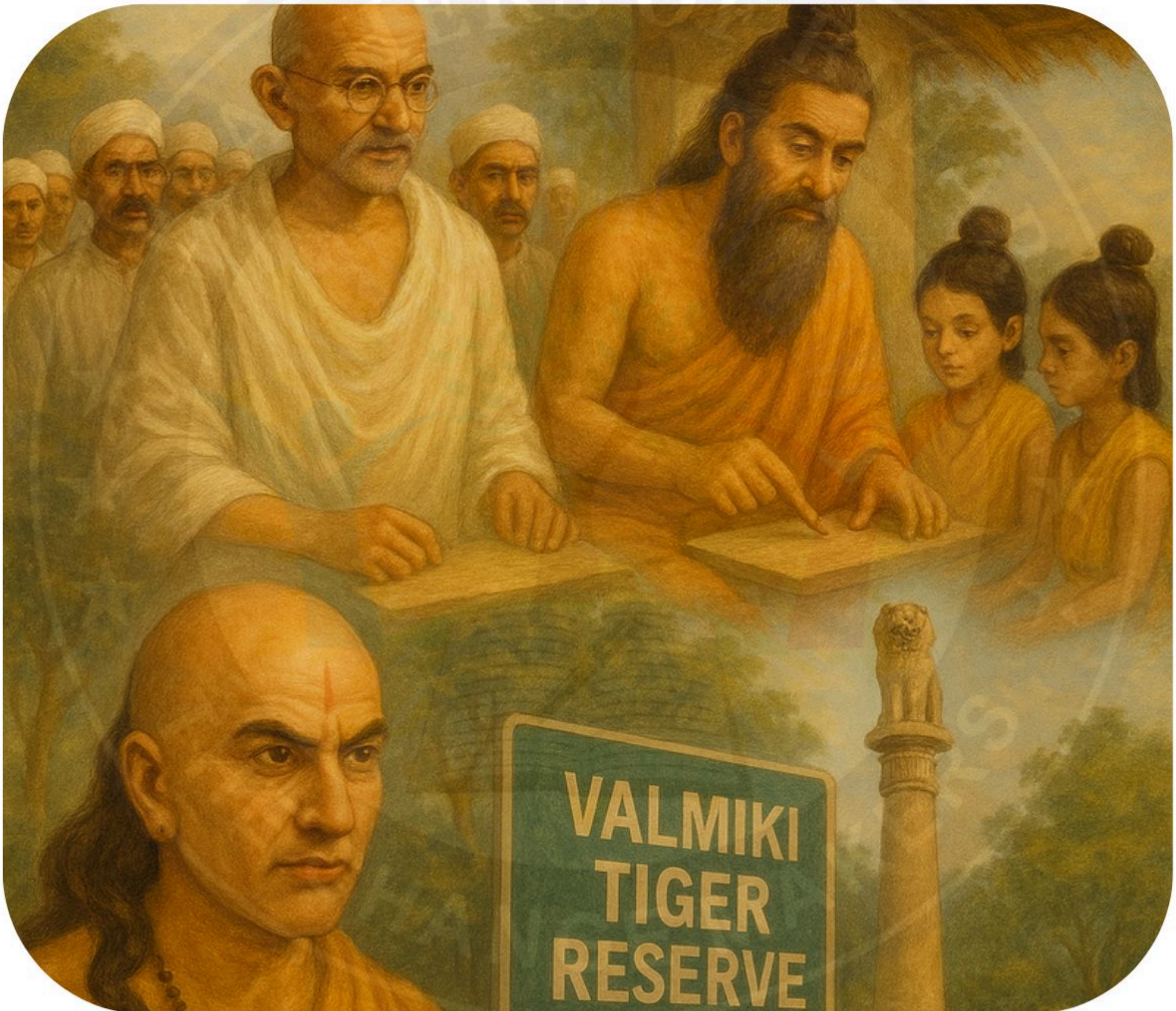

"पवित्रता, धैर्य और दृढ़ता ये तीनों ही सफलता के लिए आवश्यक हैं।"

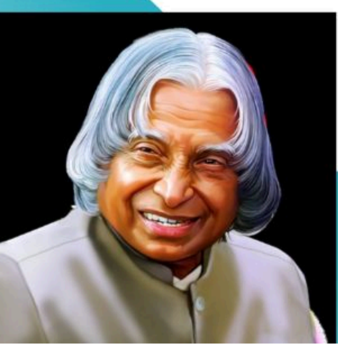

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मंगोलिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: उलानबटार
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला लोकसभा अध्यक्ष कौन थीं?
उत्तर: मीरा कुमार
प्रश्न 3. 'मणिपुरी' किस राज्य का प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य है?
उत्तर: मणिपुर
प्रश्न 4. 2/5 को दशमलव में लिखें।
उत्तर: 0.4
प्रश्न 5. बिहार का 'तख्त श्री हरमंदिर साहिब' किस शहर में स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. सिंगालीला राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: पश्चिम बंगाल
प्रश्न 7. डाक टिकट का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: रोलैंड हिल
प्रश्न 8. भारत के संविधान के अनुसार भारत में शासन की प्रणाली कैसी है?
उत्तर: लोकतांत्रिक
प्रश्न 9. 'आकाश' का एक पर्यायवाची शब्द क्या है?
उत्तर: गगन
प्रश्न 10. पृथ्वी का सबसे बड़ा महासागर कौन-सा है?
उत्तर: प्रशांत महासागर

संकलन:-
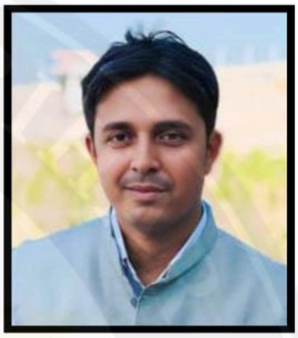
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Head – (हेड) – सिर
Face – (फेस) – चेहरा
Eye – (आइ) – आँख
Ear – (ईयर) – कान
Nose – (नोज़) – नाक
Mouth – (माउथ) – मुँह
Tooth – (टूथ) – दाँत

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – “क्या तुम ... करोगे/करोगी?” (Will you ...?)
क्या तुम कल पढ़ोगे/पढ़ोगी? – Will you study tomorrow?
क्या तुम मेरी मदद करोगे/करोगी? – Will you help me?
क्या तुम समय पर आओगे/आओगी? – Will you come on time?
क्या तुम अपना काम पूरा करोगे/करोगी? – Will you finish your work?
क्या तुम अंग्रेज़ी सीखोगे/सीखोगी? – Will you learn English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 28 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व हेपेटाइटिस दिवस (World Hepatitis Day)
व्याख्या: 28 जुलाई को "विश्व हेपेटाइटिस दिवस" (World Hepatitis Day) मनाया जाता है। यह तिथि हेपेटाइटिस B वायरस की खोज करने वाले डॉ. बारुख ब्लूमबर्ग की जन्मतिथि है। (National Day Calendar) विश्व हेपेटाइटिस एलायंस ने यह दिवस 2008 में स्थापित किया था और 2010 में विश्व स्वास्थ्य सभा के निर्णय के बाद 28 जुलाई की तिथि को अपनाया गया। डॉ. ब्लूमबर्ग ने हेपेटाइटिस B की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार जीता था। (WHO) विश्व हेपेटाइटिस दिवस 2026 की थीम है: "Hepatitis: Let's Break It Down" — जो वित्तीय, सामाजिक और स्वास्थ्य-तंत्र की बाधाओं को दूर करने का आह्वान करती है। (hepCoalition) हेपेटाइटिस के पाँच प्रकार हैं: A, B, C, D और E। विश्व में 35.4 करोड़ से अधिक लोग हेपेटाइटिस B या C से पीड़ित हैं।
संदर्भ: WHO — who.int/campaigns/world-hepatitis-day/2026;

प्र.2. 26 जुलाई 2026 को राष्ट्रमंडल खेल ग्लासगो (दिवस 3) में मीराबाई चानू ने महिला 48 किग्रा भारोत्तोलन में क्या ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की? (समसामयिक घटना)
उत्तर: तीसरा लगातार CWG स्वर्ण पदक; CWG रिकॉर्ड के साथ
व्याख्या: ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने ग्लासगो 2026 में महिला 48 किग्रा भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों में हैट्रिक पूरी की। चानू ने स्नैच में 85 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा उठाकर नया CWG रिकॉर्ड स्थापित किया। (sportskeeda) चानू ने इससे पूर्व 2018 (गोल्ड कोस्ट) और 2022 (बर्मिंघम) में भी स्वर्ण पदक जीते थे। (sportskeeda) इसी दिन ऋषिकांत सिंह ने पुरुष 60 किग्रा में रजत पदक जीता। (The Tribune) मीराबाई मणिपुर की रहने वाली हैं और टोक्यो 2020 में ओलंपिक रजत भी जीत चुकी हैं। यह ग्लासगो में 12 साल बाद उनकी वापसी थी जहाँ 2014 में उन्होंने पहला बड़ा पदक जीता था।
संदर्भ: organiser.org Mirabai Chanu CWG 2026 Gold, 26 July 2026;

प्र.3. "माधवी" और "चंद्रकांता" हिंदी साहित्य की किन प्रसिद्ध लेखिकाओं की रचनाएँ हैं — और "महादेवी वर्मा" को "आधुनिक मीरा" क्यों कहा जाता है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: महादेवी वर्मा और देवकीनंदन खत्री; वेदना-भक्ति काव्य के कारण
व्याख्या: "चंद्रकांता" (1888) हिंदी के पहले तिलिस्मी-ऐयारी उपन्यास के रचयिता देवकीनंदन खत्री की कृति है। "महादेवी वर्मा" (1907-1987) हिंदी छायावाद की चार प्रमुख कवयित्रियों में से एक हैं। उनकी प्रमुख काव्य रचनाएँ "नीहार", "रश्मि", "नीरजा" और "सांध्यगीत" हैं। "माधवी" उनकी गद्य रचना है। उन्हें "आधुनिक मीरा" इसलिए कहते हैं क्योंकि: (1) उनके काव्य में मीराबाई जैसी वेदना, प्रेम-विरह और आध्यात्मिक भावना है; (2) अनाम प्रियतम की खोज उनकी कविताओं का केंद्रीय भाव है। उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार (1982) और पद्म विभूषण (1988) से सम्मानित किया गया। उनके गद्य संग्रह "अतीत के चलचित्र" और "स्मृति की रेखाएँ" भी प्रसिद्ध हैं।
संदर्भ: NCERT Hindi Class 12 — Aroh, Chhayavad Poetry;

प्र.4. "राष्ट्रीय उद्यान" (National Park) और "वन्यजीव अभयारण्य" (Wildlife Sanctuary) में क्या अंतर है — और भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान कौन सा था? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: राष्ट्रीय उद्यान — कठोरतम संरक्षण, मानवीय गतिविधि निषिद्ध; अभयारण्य — सीमित गतिविधि अनुमत; जिम कॉर्बेट (1936)
व्याख्या: राष्ट्रीय उद्यान (National Park): इसमें किसी भी मानवीय गतिविधि — चराई, वन उत्पाद संग्रह, शिकार — की अनुमति नहीं होती। यहाँ की सीमाएँ संसद द्वारा परिवर्तित की जा सकती हैं। वन्यजीव अभयारण्य (Wildlife Sanctuary): इसमें सीमित मानवीय गतिविधियाँ — जैसे वनोपज संग्रह, सीमित पर्यटन — की अनुमति हो सकती है। राज्य सरकार इसे घोषित कर सकती है। भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान: "हेली नेशनल पार्क" (वर्तमान "जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क", उत्तराखंड) — 1936 में स्थापित। 1973 में यहाँ "प्रोजेक्ट टाइगर" प्रारंभ हुआ। भारत में वर्तमान में 106 राष्ट्रीय उद्यान और 567 वन्यजीव अभयारण्य हैं।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 7 Conservation of Plants and Animals, p. 88–90;

प्र.5. "सिंधु घाटी सभ्यता" की नगर नियोजन प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ क्या थीं जो इसे विश्व की अन्य समकालीन सभ्यताओं से भिन्न बनाती हैं? (इतिहास)
उत्तर: जल निकासी, ग्रिड पैटर्न, महान स्नानागार, अन्नागार, मानकीकृत ईंटें
व्याख्या: सिंधु घाटी सभ्यता (2600-1900 ईपू) की नगर नियोजन प्रणाली अत्यंत उन्नत थी: (1) ग्रिड पैटर्न (Grid Pattern): सड़कें आपस में समकोण पर काटती थीं; (2) जल निकासी प्रणाली: घरों से जल बाहर निकालने के लिए ढकी हुई नालियाँ थीं — यह विश्व की प्राचीनतम नगरीय जल-निकासी थी; (3) दो भाग: ऊँचा "दुर्ग" (Citadel) — शासक वर्ग के लिए, और "निचला नगर" (Lower Town) — सामान्य नागरिकों के लिए; (4) मानकीकृत ईंटें: अनुपात 1:2:4 (मोटाई:चौड़ाई:लंबाई); (5) महान स्नानागार (मोहनजोदड़ो) और अन्नागार (हड़प्पा) — सार्वजनिक संस्थाओं का प्रमाण। यह मेसोपोटामिया और मिस्र सभ्यता से अधिक उन्नत जल प्रबंधन था।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 4 In the Earliest Cities, p. 32–42;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "भारत की नदियों का प्रमुख विभाजन" — हिमालयी नदियाँ (Himalayan Rivers) और प्रायद्वीपीय नदियाँ (Peninsular Rivers) — किन मुख्य आधारों पर भिन्न हैं? (भूगोल)
उत्तर: हिमालयी — सदावाहिनी, बड़ी, लंबी; प्रायद्वीपीय — मौसमी, छोटी, पठार से निकलती
व्याख्या: हिमालयी नदियाँ (गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, सिंधु): (1) सदावाहिनी (Perennial) — ग्लेशियर और मानसून दोनों से जल; (2) लंबी और अधिक जल प्रवाह; (3) युवा नदियाँ — अपरदन कार्य अधिक, गहरी घाटियाँ; (4) उत्तर के मैदान बनाती हैं। प्रायद्वीपीय नदियाँ (गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, महानदी, नर्मदा): (1) मौसमी (Seasonal) — मुख्यतः मानसून पर निर्भर; (2) छोटी और कम जलप्रवाह; (3) प्राचीन और परिपक्व नदियाँ — अधिकतर पठार से निकलती हैं; (4) पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ डेल्टा, पश्चिम की ओर (नर्मदा, तापी) ज्वारनदमुख बनाती हैं।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 3 Drainage, p. 20–30.

प्र.7. "लोक अदालत" (Lok Adalat) भारतीय न्याय प्रणाली में एक वैकल्पिक विवाद निपटान तंत्र है — यह किस अधिनियम के तहत संचालित होती है और इसके निर्णयों की क्या विशेषता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987; निर्णय अंतिम और बाध्यकारी — अपील नहीं
व्याख्या: "लोक अदालत" (Lok Adalat) "विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987" के अंतर्गत संचालित होती है। यह "वैकल्पिक विवाद निपटान" (ADR — Alternative Dispute Resolution) का एक महत्वपूर्ण भारतीय तंत्र है। इसकी विशेषताएँ: (1) लोक अदालत का निर्णय "अवार्ड" कहलाता है जो "सिविल न्यायालय के डिक्री" के समान होता है; (2) यह अंतिम और बाध्यकारी होता है — किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की जा सकती; (3) कोई न्यायालय शुल्क नहीं लगता और यदि पहले लिया हो तो वापस होता है; (4) मोटर दुर्घटना, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, बिजली बिल आदि मामले यहाँ सुलझाए जाते हैं। "NALSA" (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) इसकी सर्वोच्च संस्था है।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 5 Democratic Rights; Legal Services Authorities Act 1987;

प्र.8. "हेपेटाइटिस" यकृत (Liver) की सूजन है — NCERT के अनुसार यकृत (Liver) के मुख्य कार्य क्या हैं और पित्त (Bile) किसमें सहायक होती है? (विज्ञान)
उत्तर: पित्त निर्माण, ग्लूकोज भंडारण, विषहरण, प्रोटीन संश्लेषण; पित्त — वसा पाचन में
व्याख्या: यकृत (Liver) मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि है जो अनेक महत्वपूर्ण कार्य करती है: (1) पित्त (Bile) का निर्माण: पित्ताशय (Gall Bladder) में संग्रहीत होती है और ग्रहणी (Duodenum) में भेजी जाती है जहाँ यह वसा (Fat) को इमल्सीकृत करती है — लाइपेज़ एंजाइम के लिए सतह बढ़ाती है; (2) ग्लूकोज का ग्लाइकोजन में रूपांतरण: रक्त शर्करा नियंत्रण; (3) विषहरण (Detoxification): हानिकारक पदार्थों को निष्क्रिय करना; (4) प्रोटीन संश्लेषण: एल्बुमिन, फाइब्रिनोजेन; (5) पुरानी RBC का विघटन: बिलीरुबिन बनता है जो पित्त में जाता है। हेपेटाइटिस से यकृत क्षतिग्रस्त होने पर ये सभी कार्य प्रभावित होते हैं।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 Life Processes, p. 99–101

प्र.9. "गोंड चित्रकला" (Gond Painting) किस राज्य की आदिवासी चित्र शैली है और इसकी प्रमुख विशेषता क्या है — जनगढ़ सिंह श्याम कौन थे? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: मध्य प्रदेश (पटनगढ़, मंडला); बिंदु-रेखा से जीवंत प्रकृति-चित्रण; आधुनिक गोंड कला के प्रणेता
व्याख्या: "गोंड चित्रकला" मध्य प्रदेश के मंडला, डिंडोरी और पटनगढ़ क्षेत्र में निवास करने वाले "गोंड" आदिवासी समुदाय की एक समृद्ध लोक-चित्र शैली है। इसकी प्रमुख विशेषता: छोटी-छोटी बिंदुओं और रेखाओं से रंगीन, जीवंत प्रकृति-चित्रण (पशु, पक्षी, वृक्ष, नदी)। रंग अत्यंत चटक और प्रतीकात्मक होते हैं। "जनगढ़ सिंह श्याम" (1962-2001) इस कला के आधुनिक प्रणेता थे जिन्होंने दीवार-चित्रण को कागज-कैनवास पर स्थानांतरित किया। उन्हें "गोंड कला का पितामह" कहा जाता है। उनका नाम "जनगढ़ कलम" शैली के नाम पर है। इस कला को GI Tag और UNESCO से मान्यता मिल रही है।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 10 Folk and Tribal Art, p. 147–149;

.10. बिहार के "मुंगेर जिले" में "बिहार योग विद्यालय" (Bihar School of Yoga) की स्थापना किसने और कब की — और यह वैश्विक स्तर पर किस कारण प्रसिद्ध है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: स्वामी सत्यानंद सरस्वती; 1964; विश्व का प्रमुख योग एवं तंत्र शिक्षा केंद्र
व्याख्या: "बिहार योग विद्यालय" (Bihar School of Yoga — BSY) की स्थापना 1964 में स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने मुंगेर (बिहार) में की थी। यह विश्व के सबसे प्रतिष्ठित योग और तंत्र शिक्षा केंद्रों में से एक है। स्वामी सत्यानंद स्वामी शिवानंद (ऋषिकेश) के शिष्य थे। यह संस्था योग की पंचकोश और तंत्र परंपरा को वैज्ञानिक आधार पर प्रस्तुत करती है। यहाँ से "सत्यानंद योग" की शिक्षा 20 से अधिक देशों में फैली है। "योग पत्रिका" और "योग" पुस्तकों की श्रृंखला यहीं से प्रकाशित होती है। मुंगेर गंगा के किनारे स्थित है और मुंगेर किला भी ऐतिहासिक महत्व का स्थल है।
संदर्भ: Bihar School of Yoga Official Portal — biharyoga.net; Bihar Tourism Records;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत "विश्व हेपेटाइटिस दिवस" (28 जुलाई) के उपलक्ष्य में — बच्चों को हेपेटाइटिस A और E से बचाने के लिए विद्यालय में कौन से स्वच्छता अभ्यास सिखाए जाने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: हाथ धोना, शुद्ध पेयजल, पका भोजन, शौचालय उपयोग, कच्चा भोजन न खाएँ
व्याख्या: BSDMA के स्वास्थ्य-स्वच्छता मॉड्यूल और "हेपेटाइटिस दिवस" के संदर्भ में — हेपेटाइटिस A और E "मल-मुख मार्ग" (Fecal-Oral Route) से फैलते हैं, अर्थात् दूषित जल और भोजन से। विद्यालयों में बच्चों को निम्न अभ्यास अनिवार्यतः सिखाए जाने चाहिए: (1) हाथ धोना: खाने से पहले और शौचालय के बाद कम से कम 20 सेकंड साबुन से; (2) शुद्ध पेयजल: केवल उबला हुआ या क्लोरीनीकृत जल पिएँ — बाढ़ के दौरान विशेष सावधानी; (3) पका भोजन: कच्ची सब्जियाँ, अनपचा माँस न खाएँ; (4) शौचालय उपयोग: खुले में शौच से हेपेटाइटिस फैलता है — "स्वच्छ भारत मिशन" से जोड़ें; (5) मिड-डे मील स्वच्छता: रसोइया प्रशिक्षण। हेपेटाइटिस B वैक्सीन बच्चों के "सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम" में सम्मिलित है।
संदर्भ: BSDMA Health Hygiene Module; bsdma.org; WHO Hepatitis Prevention Guidelines;

प्र.12. एक रेलगाड़ी 120 किमी की दूरी 2 घंटे में तय करती है। उसी दूरी को 1.5 घंटे में तय करने के लिए उसकी चाल में कितने किमी/घंटा की वृद्धि करनी होगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)
उत्तर: 20 किमी/घंटा
व्याख्या: वर्तमान चाल = दूरी ÷ समय = 120 ÷ 2 = 60 किमी/घंटा। आवश्यक चाल = 120 ÷ 1.5 = 120 ÷ (3/2) = 120 × (2/3) = 80 किमी/घंटा। चाल में वृद्धि = 80 − 60 = 20 किमी/घंटा। सत्यापन: 120 ÷ 80 = 1.5 घंटा ✓। यह "गति-दूरी-समय" (Speed-Distance-Time) का मानक प्रश्न है जिसमें नई चाल ज्ञात करके अंतर निकालना होता है। सूत्र: चाल = दूरी ÷ समय। ऐसे प्रश्न BPSC, SSC CGL, Railway Group D, Bank PO परीक्षाओं में अनिवार्य रूप से पूछे जाते हैं।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities — Speed Distance Time, p. 161–165;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

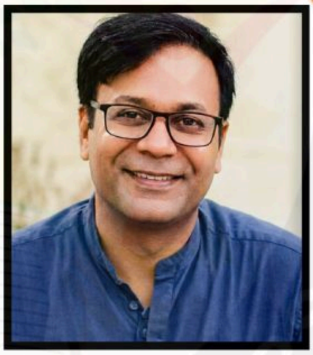

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Inadvertent (इनऐडवर्टेन्ट) = Unintentional (अनइन्टेन्शनल) = अनजाने में किया गया / अनिच्छित
Antonym – Deliberate (डिलिबरेट) = जानबूझकर किया गया
Jettison (जेटिसन) = Discard (डिस्कार्ड) = त्याग देना / फेंक देना
Antonym – Retain (रिटेन) = बनाए रखना
Kudos (कूडोस) = Praise (प्रेज़) = प्रशंसा / सम्मान
Antonym – Criticism (क्रिटिसिज़्म) = आलोचना
Lament (लमेंट) = Mourn (मोर्न) = शोक करना / विलाप करना
Antonym – Rejoice (रिजॉइस) = प्रसन्न होना
Mitigate (मिटिगेट) = Alleviate (अलीविएट) = कम करना / शमन करना
Antonym – Aggravate (ऐग्रवेट) = और गंभीर बनाना / बढ़ाना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Launches 'National Semiconductor Mission Phase-III' to Support Advanced Packaging and Cleanroom Facilities.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने उन्नत पैकेजिंग और क्लीनरूम सुविधाओं का समर्थन करने के लिए 'राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन चरण-III' शुरू किया।
भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए केंद्र सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण को अधिसूचित किया है। इसके तहत घरेलू चिप डिज़ाइन कंपनियों, सिलिकॉन वेफर फैब्रिकेशन और परीक्षण इकाइयों के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन एवं बुनियादी ढांचा सहायता प्रदान की जाएगी।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Green Logistics and Freight Index 2026', Highlighting State Progress in Multimodal Transport Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय हरित रसद एवं मालवहन सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें मल्टीमॉडल परिवहन बुनियादी ढांचे में राज्यों की प्रगति को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट में माल ढुलाई में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और समर्पित माल गलियारे (Dedicated Freight Corridors) के प्रभावी उपयोग के मामले में गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह सूचकांक रसद लागत को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के एकल अंक में लाने के राष्ट्रीय लक्ष्य का मूल्यांकन करता है।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Green Logistics and Freight Index 2026', Highlighting State Progress in Multimodal Transport Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय हरित रसद एवं मालवहन सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें मल्टीमॉडल परिवहन बुनियादी ढांचे में राज्यों की प्रगति को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट में माल ढुलाई में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और समर्पित माल गलियारे (Dedicated Freight Corridors) के प्रभावी उपयोग के मामले में गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह सूचकांक रसद लागत को सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के एकल अंक में लाने के राष्ट्रीय लक्ष्य का मूल्यांकन करता है।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Global Convention on Ocean Genetic Resources and Equitable Benefit-Sharing in International Waters.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में समुद्री आनुवंशिक संसाधनों और न्यायसंगत लाभ-साझाकरण पर वैश्विक सम्मेलन को अपनाया।
न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र (High Seas) की जैव विविधता के संरक्षण और महासागरों से प्राप्त आनुवंशिक डेटा के अनुसंधान लाभों को विकासशील राष्ट्रों के साथ साझा करने के लिए एक बहुपक्षीय कानूनी ढांचे को मंजूरी दी।

English Headline: International Monetary Fund (IMF) and World Bank Announce $2.1 Billion Facility for Climate-Resilient Urban Infrastructure in Developing Nations.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और विश्व बैंक ने विकासशील देशों में जलवायु-अनुकूल शहरी बुनियादी ढांचे के लिए $2.1 बिलियन की सुविधा की घोषणा की।
वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण शहरी बाढ़ और तीव्र गर्मी की चुनौतियों का सामना कर रहे विकासशील देशों के शहरों के आधुनिकीकरण के लिए यह वित्तीय पैकेज जारी किया गया है। इस राशि का मुख्य उपयोग हरित भवनों, अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण और जल निकासी प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण के लिए होगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomics Surveillance Network 2.0' for Real-Time Disease Outbreak Tracking.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने वास्तविक समय में बीमारी के प्रकोप की निगरानी के लिए 'वैश्विक रोगजनक जीनोमिक्स निगरानी नेटवर्क 2.0' लॉन्च किया।
जीनोम अनुक्रमण (Genome Sequencing) प्रौद्योगिकियों के माध्यम से नए और उभरते संक्रामक म्यूटेशन की प्रारंभिक पहचान के लिए डब्ल्यूएचओ ने इस उन्नत डिजिटल नेटवर्क की शुरुआत की है, जो संभावित वैश्विक महामारियों के खिलाफ पूर्व चेतावनी प्रणाली के रूप में कार्य करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Drone Promotion Scheme' to Provide Subsidized Drones to Farmers and Rural Cooperatives.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने किसानों और ग्रामीण सहकारी समितियों को रियायती ड्रोन प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-ड्रोन प्रोत्साहन योजना' को मंजूरी दी।
राज्य में कृषि प्रौद्योगिकियों के आधुनिकीकरण और कीटनाशक छिड़काव की दक्षता में सुधार के लिए बिहार सरकार ने नई सब्सिडी नीति को स्वीकृति दी है। इसके तहत किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) और कृषि स्नातकों को कस्टम हायरिंग सेंटरों के माध्यम से ड्रोन खरीदने पर 75% तक की वित्तीय सहायता मिलेगी।

English Headline: Bihar Department of Tourism Unveils Integrated Infrastructure Master Plan for 'Kosi-Seemanchal Eco-Tourism Circuit'.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यटन विभाग ने 'कोसी-सीमांचल इको-टूरिज्म सर्किट' के लिए एकीकृत बुनियादी ढांचा मास्टर प्लान का अनावरण किया।
उत्तरी और पूर्वी बिहार में प्राकृतिक आर्द्रभूमियों और जल निकायों के निकट पर्यावरण-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष विकास योजना तैयार की गई है। इस परियोजना के तहत पक्षी विहारों, प्रकृति पथों और स्थानीय गाइड प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की जाएगी ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय रोजगार का सृजन हो सके।

SPORTS NEWS

English Headline: India’s Archery Team Clinches Gold and Silver Medals in Compound Events at the Asian Grand Prix Stage 3.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी टीम ने एशियन ग्रैंड प्रिक्स स्टेज 3 में कंपाउंड स्पर्धाओं में स्वर्ण और रजत पदक जीते।
अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय पुरुषों और महिलाओं की टीम ने सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत और टीम दोनों वर्गों में पदक तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा।

English Headline: International Olympic Committee (IOC) Approves Advanced AI-Powered Biomechanical Line-Calling in Global Athletics Events.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने वैश्विक एथलेटिक्स स्पर्धाओं में उन्नत एआई-संचालित बायोमैकेनिकल लाइन-कॉलिंग को मंजूरी दी।
एथलेटिक्स स्पर्धाओं में फाउल, रनिंग ट्रैक्स और जंप्स के निर्णयों को 100% सटीक और त्वरित बनाने के लिए आईओसी ने नई तकनीकी नियमावली लागू की है। इसके तहत आगामी विश्व-स्तरीय एथलेटिक्स मीट में मानव निर्णायकों के साथ उच्च-सटीक कैमरों और एआई सेंसर का अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाएगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

प्रेरक प्रसंग

"स्वाद से पहले स्वास्थ्य"

(विश्व हेपेटाइटिस दिवस विशेष)

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज मालती मैडम अपने हाथ में चिप्स का एक पैकेट और एक टिफिन लेकर आईं। उन्होंने बच्चों से पूछा, “यदि तुम्हें इन दोनों में से एक चुनना हो, तो क्या चुनोगे?”

कई बच्चों ने हँसते हुए कहा, “चिप्स!”

मालती मैडम मुस्कुराईं और बोलीं, “यही छोटी-सी आदत आगे चलकर बड़ी परेशानी बन सकती है।”

उन्होंने बताया, “हर वर्ष 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें लीवर (यकृत) को स्वस्थ रखने और हेपेटाइटिस जैसी बीमारी से बचाव के बारे में जागरूक करता है। हेपेटाइटिस प्रायः वायरस या संक्रमण के कारण होता है। वहीं, रोज़-रोज़ जंक फूड, तले हुए खाद्य पदार्थ और मीठे पेय पदार्थ खाने से लीवर पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और फैटी लीवर जैसी समस्या हो सकती है। दोनों अलग-अलग बीमारियाँ हैं, लेकिन दोनों हमें यह सिखाती हैं कि लीवर की देखभाल बहुत ज़रूरी है।”

फिर उन्होंने अजय और अमन की कहानी सुनाई। अमन रोज़ विद्यालय आते समय चिप्स, कुरकुरे और ठंडे पेय खरीदता था। हाथ धोने की भी उसे आदत नहीं थी। अजय घर का बना भोजन खाता, साफ पानी पीता और भोजन से पहले हाथ अवश्य धोता था।

कुछ समय बाद अमन की तबीयत खराब रहने लगी। डॉक्टर ने जाँच के बाद समझाया, “तुम्हें अभी हेपेटाइटिस नहीं है, लेकिन तुम्हारी खान-पान की आदतें ठीक नहीं हैं। गंदे भोजन और पानी से हेपेटाइटिस हो सकता है, और लगातार जंक फूड खाने से लीवर कमजोर होकर फैटी लीवर जैसी समस्या भी हो सकती है।”

यह सुनकर अमन ने अपनी आदतें बदल दीं। उसने घर का पौष्टिक भोजन खाना शुरू किया, स्वच्छ पानी पीना सीखा और अपने मित्रों को भी स्वास्थ्य का महत्व बताने लगा।

मालती मैडम ने अंत में कहा, “बच्चों, बीमारी का इलाज डॉक्टर करते हैं, लेकिन बीमारी से बचाव हमारी अच्छी आदतें करती हैं। स्वस्थ शरीर ही जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है।”

संदेश: “स्वच्छता अपनाइए, पौष्टिक भोजन खाइए और जंक फूड को आदत नहीं, कभी-कभार का स्वाद बनाइए। स्वस्थ लीवर, स्वस्थ जीवन की पहचान है।”

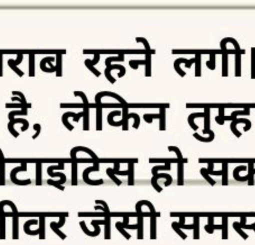

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

'समापन अंक'

एक 'सतत शिक्षार्थी' के रूप में शिक्षक — संवर्धन की यह यात्रा कभी थमती नहीं

शिक्षक साथियों, महान दार्शनिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने एक बार कहा था— "एक सच्चा शिक्षक वह नहीं है जो केवल ज्ञान उड़ेलता है, बल्कि वह है जो जीवन भर स्वयं एक विद्यार्थी बना रहता है।" जब कोई शिक्षक यह मान लेता है कि उसने सब कुछ सीख लिया है, उसी क्षण उसकी व्यावसायिक वृद्धि रुक जाती है। लेकिन जब हम हर नई सुबह इस भाव के साथ कक्षा में प्रवेश करते हैं कि "आज मुझे अपने बच्चों से, अपने परिवेश से और नए अनुभवों से कुछ नया सीखना है," तो हमारा शिक्षण कभी पुराना या उबाऊ नहीं होता।

'सतत शिक्षार्थी' (Continuous Learner) बनने का अर्थ किसी नई डिग्री को हासिल करना भर नहीं है। इसका अर्थ है — अपने भीतर जिज्ञासा, खुलापन (Openness) और बदलाव को स्वीकार करने का साहस बनाए रखना। समय बदल रहा है, हमारी कक्षाओं में आने वाले बच्चे नई सोच और नई चुनौतियों के साथ आ रहे हैं। यदि हमारी शिक्षण विधियाँ 20 साल पुरानी ही रहेंगी, तो हम 21वीं सदी के बच्चों का सही मार्गदर्शन कैसे कर पाएंगे?

संवर्धित शिक्षक की जीवन यात्रा के 5 जीवन-मंत्र

इस "शिक्षक संवर्धन" श्रृंखला के निचोड़ के रूप में, आइए इन पाँच मूल सिद्धांतों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं:

1. बाल-केंद्रित सोच (Child-Centric Focus)

पहला मंत्र- हमेशा याद रखें कि स्कूल की हर व्यवस्था—इमारत, टाइम-टेबल, टीएलएम और परीक्षा—केवल और केवल बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए है। बच्चा ही हमारी हर रणनीति के केंद्र में है।

2. डर-मुक्त और आनंदमयी कक्षा

दूसरा मंत्र- सच्चा सीखना केवल वहीं संभव है जहाँ बच्चा बिना किसी हिचकिचाहट के सवाल पूछ सके, गलतियाँ कर सके और मुस्कुराते हुए सीख सके।

3. सहानुभूति और समावेशन (Empathy & Inclusion)

तीसरा मंत्र- कक्षा के अंतिम छोर पर बैठे, सबसे शांत या विशेष आवश्यकता वाले बच्चे को मुख्यधारा में लाना ही हमारी वास्तविक सफलता है।

4. प्रतिदिन स्व-आकलन और नवाचार

चौथा मंत्र- हर दिन अपनी शिक्षक डायरी के माध्यम से खुद से संवाद करें। जो तरीका आज काम न आया, उसे कल बदलकर एक नया रास्ता खोजें।

5. सामुदायिक जुड़ाव और सम्मान

पांचवां मंत्र- अभिभावकों और समुदाय को अपना सहयोगी बनाएं। जब समाज और स्कूल एक साथ खड़े होते हैं, तो शिक्षा की हर बाधा दूर हो जाती है।

उदाहरण:

आइए दो शिक्षकों की जीवनशैली की तुलना से इसे समझें:

- प्रकार A (स्थिर शिक्षक): वे सालों से वही एक डायरी, वही पुरानी पढ़ाने की शैली और वही घिसे-पिटे उदाहरण इस्तेमाल कर रहे हैं। वे हर नए नियम या बदलाव (जैसे- NEP 2020 या डिजिटल टूल) का विरोध करते हैं और शिक्षा को केवल एक 'नौकरी' मानते हैं।
- प्रकार B (संवर्धित/सतत शिक्षार्थी शिक्षक): वे अपनी हर विफलता से सीखते हैं। जब कक्षा में कोई बच्चा पिछड़ता है, तो वे शिकायत करने के बजाय नया टीएलएम बनाते हैं या किसी साथी शिक्षक से सलाह लेते हैं। वे समय के साथ नई तकनीक सीखते हैं। उनके लिए पढ़ाना केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की एक आध्यात्मिक साधना है।

शिक्षक साथियों, "शिक्षक संवर्धन" प्रथम चरण के अंकों की श्रृंखला यहाँ समाप्त हो रही है, लेकिन एक शिक्षक के रूप में हमारे संवर्धन की यात्रा कभी समाप्त नहीं होगी। आज हमारे सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को ऐसे ही संवेदनशील, निष्ठावान और नवाचारी शिक्षकों की आवश्यकता है जो हर बच्चे की आँख में छुपे सपने को पहचान सकें और उसे सच करने का हौसला दे सकें।

आप सभी का इस पूरी श्रृंखला में साथ बने रहने और अपनी कक्षाओं को समृद्ध बनाने के इस संकल्प के लिए सहृदय धन्यवाद। आइए, मिलकर अपने विद्यालयों को ज्ञान, करुणा और आनंद का एक ऐसा केंद्र बनाएं जहाँ का हर बच्चा गर्व से कह सके— "यह मेरा प्यारा स्कूल है!"

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 — बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगिण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : जमुई, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

जमुई: स्वर्ण भंडार का वैभव, सिमुलतला की शैक्षणिक क्रांति और वनीय आर्थिकी का चक्र

जमुई की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके शांत पहाड़ी अंचलों, प्राचीन लोक-गाथाओं और जनजातीय परंपराओं में धड़कता है। झाझा और सोनो के संताली और भूमिज गाँवों में गूँजती सोहराय और करमा पर्व की धुनें यहाँ की प्रकृति-पूजक संस्कृति की मौलिकता को आज भी पूरी जीवंतता के साथ सहेजे हुए हैं। इसके साथ ही, गिद्धौर का ऐतिहासिक दुर्गा पूजा उत्सव संपूर्ण पूर्वी भारत में अपनी भव्यता, तांत्रिक परंपरा और शास्त्रीय संगीत-आयोजनों के लिए जाना जाता है। यह सांस्कृतिक ताना-बाना मैदानी और जनजातीय समाजों को आपसी सहअस्तित्व और समरसता के एक अटूट सूत्र में बांधकर रखता है।

आर्थिक और भू-वैज्ञानिक धरातल पर जमुई आज संपूर्ण भारत में चर्चा के सर्वोच्च केंद्र पर है। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के अनुसार, जमुई के सोनो (Sono) प्रखंड के कर्मटिया और झझा क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार (Gold Reserves) मौजूद है, जो देश के कुल सोने के भंडार का लगभग 44% हिस्सा माना जाता है। सोने के इन भू-तापीय साक्ष्यों के अलावा, सोनो, चकाई और सोझा में प्रचुर मात्रा में मिलने वाले क्वार्ट्ज़, फ़ेल्डस्पार और माइका (अभ्रक) के अयस्क यहाँ के खनन उद्योग को भविष्य का सबसे बड़ा केंद्र बनाते हैं।

ग्रामीण आर्थिकी और लघु कुटीर उद्योगों की बात करें तो जमुई का एक बड़ा हिस्सा 'वनीय आर्थिकी' (Forest Economy) पर टिका हुआ है। चकाई, सोनो और खैरा के घने जंगलों से एकत्र किए जाने वाले तेंदू पत्ते पर आधारित बीड़ी निर्माण उद्योग और महुआ, हर्रा, बहेड़ा, कल्पवृक्ष के बीज व शहद का संग्रहण हज़ारों निर्धन और जनजातीय परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार है। इसके साथ ही, किउल नदी के रेतीले पाटों से होने वाला बालू खनन और आधुनिक ईंट क्लस्टर्स स्थानीय निर्माण क्षेत्र को मज़बूत वित्तीय तरलता (Cash Flow) प्रदान करते हैं।

शैक्षणिक और बौद्धिक पुनर्जागरण के क्षेत्र में जमुई की सबसे चमकदार पहचान सिमुलतला आवासीय विद्यालय (Simultala Awasiya Vidyalaya) है। 'बिहार का ऑक्सफोर्ड' कहे जाने वाले इस विद्यालय ने अपनी विशिष्ट गुरुकुल पद्धति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बल पर राज्य स्तर (BSEB Top-10) की बोर्ड परीक्षाओं में लगातार कीर्तिमान स्थापित किए हैं। यह संस्थान बिहार की प्रशासनिक और तकनीकी मेधा को नई ऊर्जा देने वाली एक विश्वस्तरीय प्रयोगशाला बन चुका है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो जमुई में 'माइनिंग हब', 'इको-एडवेंचर टूरिज्म' और 'एग्रो-फॉरेस्ट्री' की असीमित संभावनाएं हैं। सोनो के स्वर्ण भंडार के वैज्ञानिक उत्खनन और खनिज-प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से जमुई दक्षिण बिहार का सबसे बड़ा औद्योगिक शहर बनने की राह पर है। नागी-नकटी पक्षी अभ्यारण्य (रामसर साइट) और सिमुलतला की वादियों को एकीकृत कर यदि एक व्यापक 'पारिस्थितिक-सांस्कृतिक पर्यटन ग्रिड' विकसित किया जाए, तो यह स्थानीय युवाओं के लिए हज़ारों प्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर पैदा करने में पूरी तरह सक्षम है।

जमुई का यह अंतिम आर्थिक-सांस्कृतिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपनी प्राकृतिक छटा, अहिंसा के संदेशों और अपार खनिज संपदा के साथ बिहार के विकास का एक नया क्षितिज रच रहा है। लछुआड़ में गूँजते अहिंसा के मंत्रों से लेकर नागी-नकटी की प्रवासी पक्षियों के कलरव तक, सोनो की स्वर्णमयी धरा से लेकर सिमुलतला की शैक्षणिक क्रांति तक—जमुई प्राकृतिक सुंदरता और आधुनिक औद्योगिक भविष्य का एक बेजोड़ ब्लूप्रिंट प्रस्तुत करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस विशिष्ट पहाड़ी-खनन आर्थिकी, रामसर स्थल की पारिस्थितिकी और वनीय संसाधनों के प्रबंधन के इस व्यावहारिक मॉडल का यह गहन अध्ययन बिहार की आर्थिक नियति को समझने की एक अत्यंत सटीक और प्रामाणिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। ....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org